फाल्गुनी नायर – संस्थापिका

फाल्गुनी नायर का जन्म मुंबई के चमकते शहर में हुआ था, जहां हर गली सपनों की कहानियाँ सुनाती है। बचपन से ही फाल्गुनी की आँखों में बड़े सपने तैरते रहते थे। किताबों से उनकी दोस्ती गहरी थी, वे अकसर सोचतीं—
"एक दिन दुनिया मेरी मेहनत की कहानी सुनेगी।"

उन्होंने कड़ी मेहनत से पढ़ाई पूरी की और सफल होकर बैंकिंग की दुनिया में कदम रखा। बैंक में उनका सफर शानदार था, सफलता उनके कदम चूम रही थी। पर उनके दिल की गहराई में एक आवाज़ उन्हें लगातार पुकार रही थी—
"कुछ बड़ा करो, जो तुम्हारा अपना हो।"

उनका यह सपना एक जुनून में बदल गया, और एक दिन उन्होंने साहसिक फैसला लिया। फाल्गुनी ने अपनी आरामदायक नौकरी छोड़ दी और एक नये सफ़र की शुरुआत की। इस सपने का नाम रखा—"नायका" (Nykaa), एक ऐसा नाम जो आज भारत की हर लड़की की ज़ुबान पर है।

लोगों ने उन्हें चेताया, "इतना आसान नहीं है, सफलता नहीं मिलेगी!" लेकिन फाल्गुनी ने मुस्कुराकर कहा,
"मुश्किलों के बिना जीत का स्वाद कैसा?"

अपने भरोसे, कड़ी मेहनत, और न हार मानने वाले जज़्बे से उन्होंने "नायका" को न सिर्फ मेकअप बल्कि आत्मविश्वास की पहचान बना दिया। धीरे-धीरे उनकी कंपनी सफलता के शिखर पर पहुँच गई। आज नायका सिर्फ एक कंपनी नहीं, करोड़ों लड़कियों के सपनों और आत्मविश्वास की मिसाल बन चुकी है।

फाल्गुनी नायर हर लड़की से कहती हैं—
"अपने सपनों की उड़ान भरो, अपने दिल की आवाज़ सुनो, हर मुश्किल पार करो, तुम्हारा आत्मविश्वास ही तुम्हारी सबसे बड़ी खूबसूरती है।"

READ MORE STORIES ON
www.bharatkibetiyokikahaniyaan.com/

https://bharatkibetiyokikahaniyaan.com/
https://bharatkibetiyokikahaniyaan.com/